JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के कार्यरत् शिक्षकों की व्यावसयिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन"

सोमेन्द्र सिंह
शोधार्थी एवं सहायक प्रोफेसर,
राजकीय रजा कॉलेज,
रामपुर

डॉ॰ सतीश पाल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर
शिक्षक शिक्षा विभाग,
डी.जे. कॉलेज, बडौत (बागपत)

सारांश

प्रायः सुनने में आता है कि सभी प्रकार के राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षक अपने शिक्षण के प्रति प्रतिबद्ध नहीं है। परन्तु यह मात्र भ्रांति हो सकती है क्योंकि आज राजकीय महाविद्यालयों एवं अनुदानित महाविद्यालयों से पढ़े विद्यार्थी देश के कोने कोने में जाकर अपना व अपने परिवार का नाम रोशन कर रहे है। प्रायः देखने में आता है जब भी कोई विद्यार्थी देश की उच्च स्तर की कोई प्रतियोगिता परीक्षा पास करता है तो वह अनुदानित व राजकीय महाविद्यालय का ही होता है। यह कहा जाता है कि सरकारी सभी शिक्षक अपने कार्य के प्रति प्रतिबद्ध नहीं होते है। परन्तु यह भी देखने में आता है कि उपरोक्त महाविद्यालयों में उच्च शैक्षिक स्तर व मानसिक स्तर के शिक्षक अपनी सेवायें देते है उनकी शिक्षण प्रतिबद्धता भी प्रभावशाली होती है। प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित परिकल्पनायें प्रस्तुत के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किये है–राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया। राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले पुरूष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया। राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया। राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले कला वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया। राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।

ज्ञमल ॅवतकेरू राजकीय महाविद्यालय, अनुदानित महाविद्यालय, शिक्षक, व्यावसयिक प्रतिबद्धता

प्रस्तावना

कोई भी शिक्षक अपने पेशे के प्रति आत्म सन्तुष्ट एवं प्रतिबद्ध हुए बिना न तो अच्छा शिक्षण कर सकता है और न ही आदर्श वैयक्तिक मूल्य प्रस्तुत कर सकता है। अतः पेशे के प्रति सन्तुष्टि एवं प्रतिबद्धता आवश्यक है किन्तु वर्तमान समय में शिक्षकों में अपनी व्यवसाय के प्रति कोई प्रतिबद्धता दिखाई नहीं देती जबकि सरकारी विद्यालयों के शिक्षक अच्छा वेतन पाते है परन्तु गैर सरकारी विद्यालयों में अच्छा वेतन प्राप्त नहीं होता है जिस कारण उनकी प्रतिबद्धता में अन्तर पाया जाता है। एक शिक्षक अपने शिक्षण या व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्ध नहीं है तो उसके शिक्षण में गुणवत्ता व प्रभावशीलता का आभाव पाया जाता है। शिक्षक देश का आदर्श नागरिक, समाज का

सम्मानीय एवं अनुकरीणय व्यक्ति तथा छात्रों के भविष्य का निर्माता होता है। छात्रों के आचरण जीवन तथा स्वभाव पर शिक्षकों का गहन प्रभाव पड़ता है। अतः शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि उनके भीतर उच्च वैयक्तिक मूल्य हो ताकि वे समाज एवं विद्यार्थियों के लिए आदर्श प्रस्तुत कर सके किन्तु शिक्षक भी समाज का एक अंग होता है। अतः उसका दृष्टिकोण, विचार, दर्शन एवं मूल्य परिवर्तित होते सामाजिक वातावरण से प्रभावित होते है अतः शिक्षकों के वैयक्तिक मूल्यों में सामाजिक परिवर्तनों के साथ परिवर्तित होना स्वाभाविक प्रक्रिया है। वर्तमान सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक तथा राजनैतिक परिवेश से निर्मित वैयक्तिक मूल्य शिक्षकों के आचरण को निर्धारित करते हैं और शिक्षकों का व्यक्तित्व देश के भावी कर्णधारों की दिशा को निर्धारित करता है। दिन– प्रतिदिन बढ़ते भौतिकवाद, उच्च होते जीवनस्तर सूचना तकनीकी के विकास के फलस्वरूप घर–घर तक पहुँचते विज्ञापन घर के बच्चों तथा परिवार के सदस्यों की बढ़ती इच्छाएँ, समाज में प्रदर्शन की भावना, बाजार उदारीकरण के फलस्वरूप विदेशी वस्तुओं की उपलब्धता, साधन, बाजार में बढ़ती प्रतियोगिता, ऊँचा उठता कीमत स्तर, बच्चों के भविष्य निर्माण तथा रोजगार पर व्यय और भविष्य के प्रति असुरक्षा तथा परिवार के प्रति सापेक्षिक चिन्तन आदि के कारण शिक्षकों की भौतिक अवश्यकतायें बढ़ी हैं जिनकी सन्तुष्टि हेतु अतिरिक्त आय या अन्य साधनों से आय के प्रति शिक्षकों का आकर्षण बढ़ा है। फलस्वरूप अन्य व्यवसायों की अपेक्षा शिक्षक ने अपने मूल कार्य शिक्षण को ही ट्यूशन व्यवसाय के रूप में पसन्द किया है। जिस कारण उसकी शिक्षण के प्रति प्रतिबद्धता में ह्रास हो रहा है जिसका कारण शिक्षक ट्यूशन व्यवसाय को अपनाने से नही चूक रहा है। एक शिक्षक शैक्षिक मूल्यों के आधार पर ही अच्छा शिक्षक कहलाता है। जिसके लिए एक शिक्षक अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करता है एवं उसके प्रति प्रतिबद्ध रहता है। जिससे उसके अन्दर मूल्यों का विकास होता है। परन्तु आज शिक्षकों में वैयक्तिक मूल्यों में ह्रास हुआ है और पेशे के प्रति असन्तुष्टि बढ़ी है। प्रायः देखने में आता है कि सभी प्रकार के विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षक अपने शिक्षण के प्रति प्रतिबद्ध नहीं है। एक अच्छे शिक्षक को अपने कार्य के प्रति सन्तुष्ट होना अति आवश्यक है अगर वह सन्तुष्ट होगा तो उसकी व्यवसायिक प्रतिबद्धता बढ़ेगी।

आवश्यकता एवं महत्व

किसी भी प्राणी को अपना जीवन यापन करने के लिए रोटी कपड़ा और मकान की आवश्यकता होती है परन्तु एक शिक्षित व्यक्ति चाहता है कि वह अपने परिवार की भौतिक आवश्यकताओं की भी पूर्ति करें। अच्छे वेतन वाले माता पिता अपने बच्चों की भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर लेते है जबकि जिनका वेतन अच्छा नहीं है वह परिस्थितियों के साथ समझोता कर लेते है। हमारे देश में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों कार्यरत् शिक्षकों को बहुत अच्छा वेतन मिलता है वह वेतन उनकी जीवन शैली, शिक्षण प्रभावशीलता के साथ–साथ एक ही व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता को धनात्मक रूप प्रदान करता है। प्रायः प्रतिबद्धता का सम्बन्ध हम राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा व कार्य के प्रति लगन से लगाते है परन्तु इनके अतिरिक्त एक शिक्षक जब पूरे मनोयोग से अपने शिक्षण, व्यवहार, कार्य शैली, शिक्षण कौशल आदि से पूर्ण होता है तो वह अपने व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्ध माना जाता है। प्रस्तुत शोध के माध्यम से राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता को जानने का प्रयास किया जायेगा।

सम्बन्धित शोध साहित्य अध्ययन

निम्नलिखित विद्यार्थियों ने प्रस्तुत विषयों को शोध का विषय बनाया है जिसमें रागवेन्द्र (2000), नय्यर (2005), शर्मा मीनू (2012), सुरेन्द्र (2016) आदि प्रमुख है।

समस्या कथन

"मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के कार्यरत् शिक्षकों की व्यावसयिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन"

शोध अध्ययन में प्रयुक्त शब्दों का परिभाषीकरण

राजकीय महाविद्यालय – सरकारी विद्यालयों से आशय उन विद्यालयों से है जो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त व संचालित होते है। इन विद्यालयों के शिक्षकों को वेतन आयोग द्वारा निर्धारित पूर्ण वेतन व भत्ते प्राप्त होते हैं।

अनुदानित महाविद्यालय – गैर सरकारी विद्यालयों से आशय उन विद्यालयों से है जो उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त तो होते है परन्तु यह निजी प्रबन्धन द्वारा संचालित होते है। इन विद्यालयों के शिक्षकों को वेतन आयोग द्वारा निर्धारित पूर्ण वेतन कागजों में प्राप्त होते है।

व्यवसायिक प्रतिबद्धता – प्रतिबद्धता का अर्थ सामान्य रूप से किसी कार्य को पूरा करने हेतु किया गया वादा या च्तवउपेम होता है। प्रतिबद्धता अग्रेजी के ब्वउउपजजउमदज शब्द से बना है जिसका अर्थ होता है किसी कार्य को करने से पहले उसको भलि भॉति पूर्ण करने हेतु एक च्तवउपेम वादा या प्रतिबद्धता है अगर कोई व्यक्ति किसी कार्य के लिए प्रतिबद्ध है तो वह उस कार्य को अवश्य ही करेगा चाहे कार्य कितना ही कठिन क्यो न हो क्योंकि वह व्यक्ति उस कार्य को करने के लिए प्रतिबद्ध है। शोध में प्रतिबद्धता शब्द शिक्षिकाओं के लिए है कि वे अपने शिक्षण के लिए कितनी प्रतिबद्ध है।

"मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों के कार्यरत् शिक्षकों की व्यावसयिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन"

शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।
2. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले पुरूष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।
3. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।
4. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले कला वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।
5. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पनायें

1. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले पुरूष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
4. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले कला वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
5. मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत लघु शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए शिक्षकों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्यादर्श :–

वर्तमान शोधपत्र हेतु 100 शिक्षकों को शामिल किया गया है।

उपकरण :–

व्यवसायिक प्रतिबद्धता से सम्बन्धित मापनी–स्वनिर्मित

तालिका – 1

मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
राजकीय महाविद्यालय	50	34ण्40	7ण्16	3ण्03
अनुदानित महाविद्यालय	50	32ण्13	6ण्22	

तालिका संख्या 1 के द्वारा राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता को दशार्या गया है। जिसमें राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों का मध्यमान (प्रमाप विचलन) 34.40 (7.16) प्राप्त हुआ है जबकि अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन 32.13 (6.22) प्राप्त हुआ है। इन दोनों का क्रान्तिक अनुपात मूल्य 3.03 प्राप्त हुआ है प्राप्त क्रान्तिक मूल्य दोनो समूहों के मध्य शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः हमारी परिकल्पना सं॰ 1 अस्वीकृत हुई।

तालिका – 2

मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले पुरूष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
राजकीय महाविद्यालय के पुरूष शिक्षक	25	36ण्24	4ण्328	2ण्56
अनुदानित महाविद्यालय के पुरूष शिक्षक	25	35ण्20	4ण्326	

तालिका संख्या 2 के द्वारा राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले पुरूष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता को दशार्या गया है। जिसमें राजकीय विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों का मध्यमान (प्रमाप विचलन) 36.24 (4.328) प्राप्त हुआ है जबकि अनुदानित महाविद्यालयों के पुरूष शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन 35.20 (4.326) प्राप्त हुआ है। इन दोनों का क्रान्तिक अनुपात मूल्य 2.56 प्राप्त हुआ है प्राप्त क्रान्तिक मूल्य दोनो समूहों के मध्य शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः हमारी परिकल्पना सं॰ 2 अस्वीकृत हुई।

तालिका – 3

मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
राजकीय महाविद्यालय की महिला शिक्षक	25	34ण्92	3ण्520	3ण्70
अनुदानित महाविद्यालय की महिला शिक्षक	25	33ण्84	3ण्661	

तालिका संख्या 3 के द्वारा राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता को दशार्या गया है। जिसमें राजकीय महाविद्यालयों की महिला शिक्षकों का मध्यमान (प्रमाप विचलन) 34.92 (3.520) प्राप्त हुआ है जबकि अनुदानित महाविद्यालयों की महिला शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन 33.84 (3.661) प्राप्त हुआ है। इन दोनों का क्रान्तिक अनुपात मूल्य 3.70 प्राप्त हुआ है प्राप्त क्रान्तिक मूल्य दोनो समूहों के मध्य शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः हमारी परिकल्पना सं॰ 3 अस्वीकृत हुई।

तालिका – 4

मेरठ जनपद में राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले कला वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
राजकीय महाविद्यालय के कला वर्ग के शिक्षक	25	30ण्24	2ण्328	2ण्96
अनुदानित महाविद्यालय के कला वर्ग के शिक्षक	25	32ण्84	2ण्661	

तालिका संख्या 4 के द्वारा राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले कला वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता को दशार्या गया है। जिसमें राजकीय विद्यालयों की कला वर्ग के शिक्षकों का मध्यमान (प्रमाप विचलन) 30.24 (2.328) प्राप्त हुआ है जबकि अनुदानित महाविद्यालयों की कला वर्ग के शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन 32.84 (2.661) प्राप्त हुआ है। इन दोनों का क्रान्तिक अनुपात मूल्य 2.96 प्राप्त हुआ है प्राप्त क्रान्तिक मूल्य दोनो समूहों के मध्य शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः हमारी परिकल्पना सं॰ 4 अस्वीकृत हुई।

तालिका – 5

सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में अध्यापन करने वाले विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
राजकीय महाविद्यालय के विज्ञान वर्ग के शिक्षक	25	35ण्20	3ण्520	3ण्02
अनुदानित महाविद्यालय के विज्ञान वर्ग के शिक्षक	25	34ण्12	2ण्326	

तालिका संख्या 5 के द्वारा राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता को दशार्या गया है। जिसमें राजकीय महाविद्यालयों की विज्ञान वर्ग के शिक्षकों का मध्यमान (प्रमाप विचलन) 35.20 (3.520) प्राप्त हुआ है जबकि अनुदानित महाविद्यालयों की विज्ञान वर्ग के शिक्षकों का मध्यमान एवं मानक विचलन 34.12 (2.326) प्राप्त हुआ है। इन दोनों का क्रान्तिक अनुपात मूल्य 3.02 प्राप्त हुआ है प्राप्त क्रान्तिक मूल्य दोनो समूहों के मध्य शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता के सम्बन्ध में सार्थक अन्तर को स्पष्ट करता है। अतः हमारी परिकल्पना सं॰ 5 अस्वीकृत हुई।

निष्कर्ष

1. राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।
2. राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले पुरूष शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।
3. राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले महिला शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।
4. राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले कला वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।
5. राजकीय एवं अनुदानित महाविद्यालयों में अध्यापन करने वाले विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अन्तर पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

भटनागर, आर॰ पी॰ : ''शिक्षा अनुसंधान विधि एवं विश्लेषण' लायक बुक डिपो, मेरठ, 1988

अस्थाना, विपिन : मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन व मूल्यांकन, आगरा–2, विनोद पुस्तक मन्दिर, 1999–2000।

इबल आर॰ एल॰ : एनसाईक्लोपीडिया ऑफ एजूकेशनल रिसर्च (1970)

एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ : ''फिफथ सर्वे ऑफ एजूकेशन रिसर्च'' वाल्यूम–2 नई दिल्ली, एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰, 2000।

गुप्ता, एस॰ पी॰ एवं गुप्ता अलका : 'आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, पी॰ एण्ड डी॰, इलाहाबाद।

वाजपेयी डी॰ के॰ : मॉडनाइजेशन एण्ड सोशल चेन्ज इन इण्डिया रमेश जैन मनोहर पलिब्लकेशन्स, नई दिल्ली (1979)

एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰ : ''फिफथ सर्वे ऑफ एजूकेशन रिसर्च'' वाल्यूम–2 नई दिल्ली, एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰, 2000।

गुप्ता, एस॰ पी॰ एवं गुप्ता अलका : 'आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, पी॰ एण्ड डी॰, इलाहाबाद।

साहू आर॰ : ''हाई स्कूल स्तर के विद्यार्थियों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।'' एम॰ फिल॰ इेजर्टेशन, हिमाचल विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश (1969)